Phone 0151 2250018, 0151 2250570
e-mail : bikaneragromet@gmail.com

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

कृषि अनुसंधान केन्द्र

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय,

बीकानेर - 334 006

उत्तमा वृत्तिस्तु कृषिकर्मेव

डा. शिशपाल सिंह
सहायक प्राध्यापक

क्रमांकः एफ/एग्रो/एग्रोमेट./18/ दिनांक 15.01.2019

मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि सलाह

अवधि 16 जनवरी 2019 से 20 जनवरी 2019 तक

मौसमपूर्वानुमानः भारतीय मौसम विज्ञान केन्द्र, नई दिल्ली एवं जयपुर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर **बीकानेर जिले** में आगामी 5 दिनों मे मौसम पूर्वानुमान निम्नांकित रहने की सम्भावना है ।

मौसमकारक		दिनांक				
		16.01.2019	17.01.2019	18.01.2019	19.01.2019	20.01.2019
1.	वर्षा (एम.एम.)	**0**	**0**	**0**	**0**	**0**
2.	आसमान में बादलो की स्थिति	आंशिक बादल	बादल	स्वच्छ आकाश	बादल	स्वच्छ आकाश
3.	तापमान में वृद्वि / कमी					
	अधिकतम	**22**	**21**	**22**	**23**	**24**
	न्यूनतम	**4**	**7**	**8**	**8**	**9**
4.	वायुदिशा	उत्तरी पूर्वी	पूर्वी	पूर्वी दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी दक्षिणी पूर्वी	दक्षिणी पूर्वी
5.	सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत)					
	अधिकतम	**60**	**62**	**64**	**70**	**75**
	न्यूनतम	**15**	**18**	**20**	**24**	**29**
6.	औसत वायु गति {कि./घण्टा}	**8**	**10**	**9**	**10**	**10**
7	कुलवर्षा	**00.00**				

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा उपरोक्त मौसम के पूर्वानुमान के आधार पर **बीकानेर जिले** के किसान भाइयों को निम्नाकित सलाह दी जाती है।

- **आने वाले दिनों में दिन व रात के तापमान मे कमी होने, कम आपेक्षिक आर्द्रता के साथ अधिक गति की हवाएँ चलने, आसमान मे हल्के बादल छाये रहने और वर्षा नहीं होने की संभावना है**
  - आपेक्षिक आर्द्रता मे बढ़ोत्तरी सरसों की फसल मे सफ़ेद रोली जीरे की फसल मे झुलसा रोग और गेहूं व जौ में पत्ती झुलसा के प्रकोप को बढ़ा सकती है। अतः खेत पर लगातार निगरानी रखे जिससे कीट व्याधियों के प्रकोप का पता लग सकेंA
  - रोग के लक्षण प्रकट होने पर सरसों की फसल मे रिडोमिल एम ज़ेड 2 ग्रा./ली या ट्राइकोडर्मा डीफ़्युस्ड 5 मिली/ली. तथा जीरे और गेहूं व जौ की फसल मे मैंकोजेब 2 ग्रा./ली की दर से पानी में मिलाकर छिडकाव करे और आवश्यकता होने पर 15 दिन के अंतराल से दोहरावे।
  - मौसम की ऐसी परिस्थितियाँ सरसों एवं अन्य रबी फसलों में मोयला/चेंपा व अन्य रस चूसने वाले कीटों के प्रकोप को बढ़ा सकती है। इनके नियंत्रण के लिए थायोमेथोक्सम (25 WP) का 100 ग्रा या डाइमिथोएट (30 EC) का 1200 मिली प्रति हेक्टर की दर से छिड़काव करें।
  - समय पर बोये गई गेहूँ की फसल में बुवाई के 55 दिन बाद पौधो में गाँठे बनने पर तीसरी सिंचाई देवें और जौ की फसल में बुवाई के 65 -70 दिन बाद दूसरी सिंचाई देवें। देरी से बोई गई गेहूँ की फसल में बुवाई के 40 दिन बाद पौधो में फूटन होने दूसरी सिंचाई देवें। इन सिंचाईयों के साथ 66 किग्रा/है की दर से गेहूँ और 100 किग्रा/है की दर से जौ में खड़ी फसल में यूरिया का छिड़काव करें।
  - रबी फसलों को दीमक से बचाने के लिए समस्या वाले क्षेत्रों में सिंचाई पानी के साथ क्लोरोपायरिफोस 20 ई सी नामक दवा 2400 मी ली प्रति है की दर से उपयोग करें।
  - पशुओ को खुर-मुह पका रोग से बचाव का टीका लगवाएँ एवं पेट मे कीड़ो की दवाई नियमित देवें ।दुधारू पशुओं को थनैला रोग से बचाने के उपाय करे।
  - पालतू पशुओं को ठंड से बचाने की उचित व्यवस्था करे और उनके खाने में बाँट की मात्रा बढ़ाएँ A पशुओ को संतुलित आहार के साथ-साथ खनिज मिश्रण भी प्रतिदिन खिलाये।
  - पशुओं की बिछावन समय - समय पर बदलते रहे तथा उनके लिए साफ एवं ताजा पीने के पानी की व्यवस्था करें।